(Pages : 2) **G – 4754**

Reg. No. : .....

Name : .....

First Year B.A./B.Sc. Degree Examination, July 2019

Part – II Hindi Paper - I

Prose and Drama

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. प्रत्येक खण्ड में से कम से कम दो अवतरण चुनकर पाँच अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

खण्ड – 'अ'

1. अवसर कोई ऐसी चीज़ नहीं है, जो रीटी - दाल की तरह सबके सामने परोसा जा सके। उसे पाने केलिए अपने गुणों का विकास करना होता है।

2. मैने उन्हें आश्वासन दिया, उन्हें धैर्य हुआ, वह चले गये, लेकिन रात भर लोगों की कृतघ्नता ने मुझे चैन से सोने न दिया।

3. जो चला आ रहा है, उसे बदलने से नयी नयी कहानियां पैदा हो सकती हैं।

4. बोझ का अर्थ है – दूसरे का सहारा । यह स्वावलंबन के विरुद्ध अनाथता का – असहायता का अवलंबन है।

खण्ड – 'आ'

5. शिक्षा और शोध केलिए गुप्त साम्राज्य के कोष में राशी का अभाव नहीं है।

6. बातों का समय नहीं है मेरे पास ..... मुझे तो पहुँचना है एक उच्च शिखर पर ..... दुर्गम है मार्ग और अवरोध खड़ा करने वाली शक्तियाँ...।

7. तुम्हारे सामने है यह प्रश्न.. मेरे पास केवल गंतव्य है ... जिसके जितना पास पहुँचता हूँ, वो उतना ही दूर हो जाता है मुझसे । मुझे तो चलना है, निरंतर चलना है....

8. मैं भी आप में से एक हूँ और अनेक ज्ञानी, विद्वत जन नए – नए अन्वेषण का स्वागत करता हैं, लेकिन जिन पर केवल स्वार्थ हावी हैं, वे नई राहों के अन्वेषण में अवरोध खड़े करते हैं। **(5 × 7 = 35 marks)**

P.T.O.

gcwcentrallibrary.in

II. किसी एक पाठ का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

1. युवकों का समाज में स्थान।

2. होली और ओणम।

3. इलाहाबाद। **(1 × 17 = 17 Marks)**

III. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो सौ शब्दों में लिखिए।

1. 'सब लोग समान हैं ', इस कथन का सच्चा अर्थ क्या है?

2. सरयू भैया के रूप – रंग और घरेलू वातावरण का परिचय दीजिए।

3. दयानन्द के वैचारिक आन्दोलन के बारे में लिखिए।

4. 'टाइटन'की मुख्य विशेषताओं के बारे में लिखिए। **(2 × 8 = 16 Marks)**

IV. 1. रंगमंच की दृष्टि से 'अन्वेषक' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

2. अन्वेषक के कथानक की आलोचनात्मक समिक्षा कीजिए। **(1 × 16 = 16 Marks)**

V. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दो सौ शब्दों में लिखिए।

1. आर्यभट का चरित्र चित्रण कीजिए।

2. 'अन्वेषक' नाटक की अभिनेयता पर विचार कीजिए।

3. 'प्रतिगामी और प्रगतिगामी दृष्टिकोण की नयी व्याख्या अन्वेषक में मिलती है ' – सिद्ध कीजिए।

4. 'चूडामणि और चिंतामणि पात्रों की सृष्टि विशेष उद्देश्य से की है '– व्यक्त कीजिए। **(2 × 8 = 16 Marks)**

---

gcwcentrallibrary.in